

Документ подписан простой электронной подписью
Информация о владельце:
ФИО: Наумова Наталия Александровна
Должность: Ректор
Дата подписания: 13.11.2025 10:18:23
Уникальный программный ключ:
6b5279da4e034bffa679172803da5b7b559fc69e2

МИНИСТЕРСТВО ОБРАЗОВАНИЯ МОСКОВСКОЙ ОБЛАСТИ

Государственное образовательное учреждение высшего образования Московской области
Московский государственный областной университет
(МГОУ)

План одобрен Ученым советом МГОУ

Протокол № 16 от 16 июля 2021 г.

49.03.01

УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата

Направление подготовки 49.03.01 Физическая культура
Профиль: Спортивная тренировка

Факультет: Физической культуры

| |
|-----------------------------------|
| Квалификация: Бакалавр |
| Форма обучения: Заочная |
| Срок получения образования: 4г 6м |

| | |
|---|--|
| + | Типы задач профессиональной деятельности |
| + | тренировочный |
| + | педагогический |
| + | научно-исследовательский |

План одобрен Ученым советом МГОУ
на год начала подготовки 2021
Протокол № 15 от 15.03.2021 г.

Год начала подготовки (по учебному плану) 2020,2021
Образовательный стандарт (ФГОС) № 940 от 19.09.2017

СОГЛАСОВАНО

Проректор по образовательной деятельности / О.А. Шестакова/

Начальник управления организации и контроля
качества образовательной деятельности / Г.Е. Суслин/

Декан факультета / И.В. Кулишенко/



| № п/п | Наименование | Виды работ | Код | Итого материал | | | | | | | | | | Кот. 1 | | | | | | | | | | Кот. 2 | | | | | | | | | | Кот. 3 | | | | | | | | | | Кот. 4 | | | | | | | | | | Кот. 5 | | | | | | | | | | Кот. 6 | | | | | | | | | | Кот. 7 | | | | | | | | | | Кот. 8 | | | | | | | | | | Кот. 9 | | | | | | | | | | Кот. 10 | | | | | | | | | | Кот. 11 | | | | | | | | | | Кот. 12 | | | | | | | | | | Кот. 13 | | | | | | | | | | Кот. 14 | | | | | | | | | | Кот. 15 | | | | | | | | | | Кот. 16 | | | | | | | | | | Кот. 17 | | | | | | | | | | Кот. 18 | | | | | | | | | | Кот. 19 | | | | | | | | | | Кот. 20 | | | | | | | | | | Кот. 21 | | | | | | | | | | Кот. 22 | | | | | | | | | | Кот. 23 | | | | | | | | | | Кот. 24 | | | | | | | | | | Кот. 25 | | | | | | | | | | Кот. 26 | | | | | | | | | | Кот. 27 | | | | | | | | | | Кот. 28 | | | | | | | | | | Кот. 29 | | | | | | | | | | Кот. 30 | | | | | | | | | | Кот. 31 | | | | | | | | | | Кот. 32 | | | | | | | | | | Кот. 33 | | | | | | | | | | Кот. 34 | | | | | | | | | | Кот. 35 | | | | | | | | | | Кот. 36 | | | | | | | | | | Кот. 37 | | | | | | | | | | Кот. 38 | | | | | | | | | | Кот. 39 | | | | | | | | | | Кот. 40 | | | | | | | | | | Кот. 41 | | | | | | | | | | Кот. 42 | | | | | | | | | | Кот. 43 | | | | | | | | | | Кот. 44 | | | | | | | | | | Кот. 45 | | | | | | | | | | Кот. 46 | | | | | | | | | | Кот. 47 | | | | | | | | | | Кот. 48 | | | | | | | | | | Кот. 49 | | | | | | | | | | Кот. 50 | | | | | | | | | | Кот. 51 | | | | | | | | | | Кот. 52 | | | | | | | | | | Кот. 53 | | | | | | | | | | Кот. 54 | | | | | | | | | | Кот. 55 | | | | | | | | | | Кот. 56 | | | | | | | | | | Кот. 57 | | | | | | | | | | Кот. 58 | | | | | | | | | | Кот. 59 | | | | | | | | | | Кот. 60 | | | | | | | | | | Кот. 61 | | | | | | | | | | Кот. 62 | | | | | | | | | | Кот. 63 | | | | | | | | | | Кот. 64 | | | | | | | | | | Кот. 65 | | | | | | | | | | Кот. 66 | | | | | | | | | | Кот. 67 | | | | | | | | | | Кот. 68 | | | | | | | | | | Кот. 69 | | | | | | | | | | Кот. 70 | | | | | | | | | | Кот. 71 | | | | | | | | | | Кот. 72 | | | | | | | | | | Кот. 73 | | | | | | | | | | Кот. 74 | | | | | | | | | | Кот. 75 | | | | | | | | | | Кот. 76 | | | | | | | | | | Кот. 77 | | | | | | | | | | Кот. 78 | | | | | | | | | | Кот. 79 | | | | | | | | | | Кот. 80 | | | | | | | | | | Кот. 81 | | | | | | | | | | Кот. 82 | | | | | | | | | | Кот. 83 | | | | | | | | | | Кот. 84 | | | | | | | | | | Кот. 85 | | | | | | | | | | Кот. 86 | | | | | | | | | | Кот. 87 | | | | | | | | | | Кот. 88 | | | | | | | | | | Кот. 89 | | | | | | | | | | Кот. 90 | | | | | | | | | | Кот. 91 | | | | | | | | | | Кот. 92 | | | | | | | | | | Кот. 93 | | | | | | | | | | Кот. 94 | | | | | | | | | | Кот. 95 | | | | | | | | | | Кот. 96 | | | | | | | | | | Кот. 97 | | | | | | | | | | Кот. 98 | | | | | | | | | | Кот. 99 | | | | | | | | | | Кот. 100 | | | | | | | | | | Кот. 101 | | | | | | | | | | Кот. 102 | | | | | | | | | | Кот. 103 | | | | | | | | | | Кот. 104 | | | | | | | | | | Кот. 105 | | | | | | | | | | Кот. 106 | | | | | | | | | | Кот. 107 | | | | | | | | | | Кот. 108 | | | | | | | | | | Кот. 109 | | | | | | | | | | Кот. 110 | | | | | | | | | | Кот. 111 | | | | | | | | | | Кот. 112 | | | | | | | | | | Кот. 113 | | | | | | | | | | Кот. 114 | | | | | | | | | | Кот. 115 | | | | | | | | | | Кот. 116 | | | | | | | | | | Кот. 117 | | | | | | | | | | Кот. 118 | | | | | | | | | | Кот. 119 | | | | | | | | | | Кот. 120 | | | | | | | | | | Кот. 121 | | | | | | | | | | Кот. 122 | | | | | | | | | | Кот. 123 | | | | | | | | | | Кот. 124 | | | | | | | | | | Кот. 125 | | | | | | | | | | Кот. 126 | | | | | | | | | | Кот. 127 | | | | | | | | | | Кот. 128 | | | | | | | | | | Кот. 129 | | | | | | | | | | Кот. 130 | | | | | | | | | | Кот. 131 | | | | | | | | | | Кот. 132 | | | | | | | | | | Кот. 133 | | | | | | | | | | Кот. 134 | | | | | | | | | | Кот. 135 | | | | | | | | | | Кот. 136 | | | | | | | | | | Кот. 137 | | | | | | | | | | Кот. 138 | | | | | | | | | | Кот. 139 | | | | | | | | | | Кот. 140 | | | | | | | | | | Кот. 141 | | | | | | | | | | Кот. 142 | | | | | | | | | | Кот. 143 | | | | | | | | | | Кот. 144 | | | | | | | | | | Кот. 145 | | | | | | | | | | Кот. 146 | | | | | | | | | | Кот. 147 | | | | | | | | | | Кот. 148 | | | | | | | | | | Кот. 149 | | | | | | | | | | Кот. 150 | | | | | | | | | | Кот. 151 | | | | | | | | | | Кот. 152 | | | | | | | | | | Кот. 153 | | | | | | | | | | Кот. 154 | | | | | | | | | | Кот. 155 | | | | | | | | | | Кот. 156 | | | | | | | | | | Кот. 157 | | | | | | | | | | Кот. 158 | | | | | | | | | | Кот. 159 | | | | | | | | | | Кот. 160 | | | | | | | | | | Кот. 161 | | | | | | | | | | Кот. 162 | | | | | | | | | | Кот. 163 | | | | | | | | | | Кот. 164 | | | | | | | | | | Кот. 165 | | | | | | | | | | Кот. 166 | | | | | | | | | | Кот. 167 | | | | | | | | | | Кот. 168 | | | | | | | | | | Кот. 169 | | | | | | | | | | Кот. 170 | | | | | | | | | | Кот. 171 | | | | | | | | | | Кот. 172 | | | | | | | | | | Кот. 173 | | | | | | | | | | Кот. 174 | | | | | | | | | | Кот. 175 | | | | | | | | | | Кот. 176 | | | | | | | | | | Кот. 177 | | | | | | | | | | Кот. 178 | | | | | | | | | | Кот. 179 | | | | | | | | | | Кот. 180 | | | | | | | | | | Кот. 181 | | | | | | | | | | Кот. 182 | | | | | | | | | | Кот. 183 | | | | | | | | | | Кот. 184 | | | | | | | | | | Кот. 185 | | | | | | | | | | Кот. 186 | | | | | | | | | | Кот. 187 | | | | | | | | | | Кот. 188 | | | | | | | | | | Кот. 189 | | | | | | | | | | Кот. 190 | | | | | | | | | | Кот. 191 | | | | | | | | | | Кот. 192 | | | | | | | | | | Кот. 193 | | | | | | | | | | Кот. 194 | | | | | | | | | | Кот. 195 | | | | | | | | | | Кот. 196 | | | | | | | | | | Кот. 197 | | | | | | | | | | Кот. 198 | | | | | | | | | | Кот. 199 | | | | | | | | | | Кот. 200 | | | | | | | | | | Кот. 201 | | | | | | | | | | Кот. 202 | | | | | | | | | | Кот. 203 | | | | | | | | | | Кот. 204 | | | | | | | | | | Кот. 205 | | | | | | | | | | Кот. 206 | | | | | | | | | | Кот. 207 | | | | | | | | | | Кот. 208 | | | | | | | | | | Кот. 209 | | | | | | | | | | Кот. 210 | | | | | | | | | | Кот. 211 | | | | | | | | | | Кот. 212 | | | | | | | | | | Кот. 213 | | | | | | | | | | Кот. 214 | | | | | | | | | | Кот. 215 | | | | | | | | | | Кот. 216 | | | | | | | | | | Кот. 217 | | | | | | | | | | Кот. 218 | | | | | | | | | | Кот. 219 | | | | | | | | | | Кот. 220 | | | | | | | | | | Кот. 221 | | | | | | | | | | Кот. 222 | | | | | | | | | | Кот. 223 | | | | | | | | | | Кот. 224 | | | | | | | | | | Кот. 225 | | | | | | | | | | Кот. 226 | | | | | | | | | | Кот. 227 | | | | | | | | | | Кот. 228 | | | | | | | | | | Кот. 229 | | | | | | | | | | Кот. 230 | | | | | | | | | | Кот. 231 | | | | | | | | | | Кот. 232 | | | | | | | | | | Кот. 233 | | | | | | | | | | Кот. 234 | | | | | | | | | | Кот. 235 | | | | | | | | | | Кот. 236 | | | | | | | | | | Кот. 237 | | | | | | | | | | Кот. 238 | | | | | | | | | | Кот. 239 | | | | | | | | | | Кот. 240 | | | | | | | | | | Кот. 241 | | | | | | | | | | Кот. 242 | | | | | | | | | | Кот. 243 | | | | | | | | | | Кот. 244 | | | | | | | | | | Кот. 245 | | | | | | | | | | Кот. 246 | | | | | | | | | | Кот. 247 | | | | | | | | | | Кот. 248 | | | | | | | | | | Кот. 249 | | | | | | | | | | Кот. 250 | | | | | | | | | | Кот. 251 | | | | | | | | | | Кот. 252 | | | | | | | | | | Кот. 253 | | | | | | | | | | Кот. 254 | | | | | | | | | | Кот. 255 | | | | | | | | | | Кот. 256 | | | | | | | | | | Кот. 257 | | | | | | | | | | Кот. 258 | | | | | | | | | | Кот. 259</ | | | | | | | | | |
|-------|--------------|------------|-----|----------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|-------|--------------|------------|-----|----------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|